आधा घंटे में पहुंच जाएंगे ग्रेटर नोएडा

▪ यमुना नदी पर फोरलेन पुल का निर्माण सितंबर से ▪ दो साल में बनकर हो जाएगा तैयार

▪ अभी करीब दो घंटे का लगता है समय, जाम अलग से

650 से 700 मीटर पुल की लंबाई | **162** करोड़ पुल की अनुमानित लागत | **15** एकड़ जमीन का होगा अधिग्रहण | **15** अगस्त 2014 को हुआ था उद्घाटन | **02** साल बाद पूरा होगा निर्माण

प्रतीन कौशिक | फरीदाबाद

मंझावली गांव के पास यमुना नदी पर बनने वाले फोरलेन पुल का काम सितंबर से शुरू हो रहा है। इसके बनने के बाद ग्रेटर नोएडा की दूरी काफी कम हो जाएगी। फरीदाबाद से ग्रेटर नोएडा दो की जगह आधा घंटे में पहुंच सकेंगे। इस पुल का सबसे अधिक लाभ 60 से अधिक गांवों व ग्रेटर फरीदाबाद में विकसित हो रहे 15 सेक्टरों के लोगों को होगा।

ऐसे पहुंचेंगे ग्रेटर नोएडा

यमुना नदी पर बनने वाले पुल की सड़क ग्रेटर फरीदाबाद के मंझावली से शुरू होगी। इसके बाद लालपुर, महावतपुर और दलेलपुर से होते हुए ग्रेटर नोएडा के अट्टा नीरंगपुर गांव तक जाएगी। इससे गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर, दादरी जैसे इलाकों से फरीदाबाद में आना-जाना आसान हो जाएगा। इतना ही नहीं गुड़गांव और रेवाड़ी के लोगों को भी ग्रेटर नोएडा जाने के लिए दिल्ली जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। बल्कि वे फरीदाबाद से होते हुए इस पुल का इस्तेमाल कर सकेंगे।

55 सेक्टर सीधे जुड़ जाएंगे ग्रेनो से

इस पुल के बनने से मास्टर प्लान 2031 के तहत प्रस्तावित 55 सेक्टर भी सीधे ग्रेटर नोएडा (ग्रेनो) से जुड़ जाएंगे। पुल के आसपास के गांवों को भी आने जाने के अलावा प्रॉपर्टी की कीमतों में होने वाले उछाल का फायदा मिलेगा। इस पुल को यमुना एक्सप्रेस-वे के विकास प्राधिकरण द्वारा बनाई जा रही यमुना सिटी से जोड़ा जाएगा।

सबसे ज्यादा लाभ सेक्टरों को होगा

फिलहाल ग्रेटर फरीदाबाद में करीब 7500 सौ एकड़ जमीन पर 6 सेक्टर विकसित हो रहे हैं। इसके साथ ही 2031 के डेवलपमेंट प्लान के तहत 55 नए सेक्टर विकसित होंगे। यमुना नदी के किनारे कई निजी संस्थान, शिक्षण संस्थान आदि विकसित हो रहे हैं। पुल बनने से इन सभी को फायदा होगा। पुल बनने के बाद ग्रेटर नोएडा जाने के लिए लोगों को दिल्ली का लंबा सफर तय नहीं करना पड़ेगा। इससे दोनों राज्यों के शहरों की अर्थव्यवस्था में सुधार होगा। बेरोजगारी-पेशा लोगों को भी राहत मिलेगी। दोनों शहरों के लोग प्रॉपर्टी की खरीद फरोख्त आसानी से कर सकेंगे।

15 अगस्त को रखी थी आधारशिला

फरीदाबाद के मंझावली से ग्रेटर नोएडा के नीरंगपुर गांव के बीच यमुना पर बनने वाले इस पुल की आधारशिला 6 अगस्त 2014 को केंद्रीय भूतल व सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने रखी थी। इस पर लगभग 162 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

अभी कौन से हैं रास्ते ग्रेनो के लिए

अभी ग्रेटर नोएडा जाने के लिए दिल्ली के रास्ते का प्रयोग किया जाता है। इस रास्ते में दिल्ली में लगने वाला जाम परेशान करता है। इस रास्ते से करीब दो घंटे लगते हैं।

यमुना नदी पर बनने वाला पुल दोनों बड़े शहरों में विकास के रास्ते खोलेगा। ग्रेटर फरीदाबाद के निवेशक आसानी से ग्रेटर नोएडा में नौकरी कर सकेंगे। आना-जाना सुगम हो जाएगा। इसका सीधा असर प्रॉपर्टी की खरीद फरोख्त पर भी पड़ेगा। ग्रेटर नोएडा में निवेश करने वाले लोगों का रुख ग्रेटर फरीदाबाद की तरफ होगा।"

—संजीव ग्रोवर, जीएम एसआरएस रीयल एस्टेट ग्रुप

मेरे पास डीपीआर आने वाली है। इसके बाद मैं इसे चंडीगढ़ भेज दूंगा। डीपीआर चेक होने के बाद भारत सरकार इसे मंजूरी देगी। उसके बाद टेंडर निकाले जाएंगे। संभावना है सितंबर में पुल का काम शुरू हो जाएगा। पुल के लिए जमीन अधिग्रहण हरियाणा सरकार करेगी।

—दिलबाग सिंह ढांडा, एक्सईएन बीएंडआर